न्यूज़ टुडे

सरकार, किसान उत्पादक संगठनों (Farmer Producer Organisations: FPOs) के लिए एक आसान ऋण योजना पर विचार कर रही है

- केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा है कि सरकार, FPOs को किसानों के समान **रियायती ब्याज दरों पर आसान ऋण उपलब्ध कराने में मदद** कर सकती है। ज्ञातव्य है कि रियायती ब्याज दरों पर आसान ऋण वर्तमान में किसानों के लिए उपलब्ध हैं।
- **FPOs के समक्ष चुनौतियां:**
  - तकनीकी ज्ञान की कमी और अपर्याप्त पेशेवर प्रबंधन।
  - ऋण, अवसंरचना और बाजार तक अपर्याप्त पहुंच।
  - जोखिम को कम करने संबंधी व्यवस्था का अभाव।
  - पंजीकरण की जटिल प्रक्रिया और बोझिल कानूनी प्रक्रियाओं का पालन।
  - कुशल मानव संसाधन की कमी।
  - उद्यमशीलता संस्कृति, साक्षरता आदि के रूप में सामाजिक और आर्थिक चुनौतियाँ।
  - कृषि आपूर्ति श्रृंखला में समृद्ध बिचौलियों और मध्यस्थों के साथ प्रतिस्पर्धा।
- **FPOs को बढ़ावा देने हेतु पहल:**
  - नाबार्ड ने **वर्ष 2010–11 से अब तक लगभग 16,000 FPOs गठित किए** हैं।
  - वर्ष 2020 में **"FPOs का गठन और बढ़ावा"** नामक योजना आरंभ की गयी थी।
    - इसके तहत वर्ष 2027–28 तक लगभग 10,000 नये FPOs गठित किये जाएंगे।
- **FPOs के लिए सुझाव:**
  - प्रत्येक FPO में आपसी सामंजस्य स्थापित करने के लिए, 20 किलोमीटर क्षेत्र के **भौगोलिक दायरे के लोगों को ही एक FPO में सदस्य** बनाया जाना चाहिए।
  - **प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, पेशेवर कार्यबल का विकास,** आवश्यक अनुभव प्राप्त करने के लिए दौरे, उद्यमिता विकास कार्यक्रम जैसे उपाय किए जाने चाहिए।
  - **प्रारंभिक चरण के लिए व्यापक वित्तपोषण** और FPOs की आवश्यकताओं के अनुरूप लचीले उत्पाद की व्यवस्था करनी चाहिए।
  - **बाजार से जोड़ने वाले सिस्टम में सुधार** करना।

- **किसान उत्पादक संगठन (FPO) के बारे में:**
  - यह एक प्रकार का उत्पादक संगठन (Producer Organisation) है, जिसके सदस्य किसान होते हैं।
  - इन्हें कंपनी अधिनियम, 2013 के भाग IXA के तहत या सहकारी सोसायटी अधिनियम के तहत निगमित/पंजीकृत किया जाता है। FPOs से किसानों को सामूहिक शक्ति प्राप्त होती है।

रूस पर पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के प्रभाव

- रूस–यूक्रेन संकट के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, यूनाइटेड किंगडम सहित कई पश्चिमी देशों ने रूस पर बहुत सारे प्रतिबंध लगाए हैं।
- **इन प्रतिबंधों के प्रभाव:**
  - **रूस पर प्रभाव:**
    - इससे **बैंक रन** की स्थिति पैदा हो गई है। रूसी नागरिक बैंकों में रूबल के रूप में अपनी जमा राशि को निकालने और इसे सुरक्षित मुद्रा (जैसे– अमेरिकी डॉलर) में बदलने के लिए बैंकों में कतार लगाए हुए हैं।
  - **भारत पर प्रभाव:**
    - भारत न तो नाटो का न ही यूरोपीय संघ का सदस्य है। इसलिए लगाए गए प्रतिबंध, भारत के लिए बाध्यकारी नहीं हैं।
    - हालांकि, **भारत की पोटाश उर्वरक संबंधी आवश्यकता पूरी तरह से बेलारूस और रूस से आयात पर निर्भर है।** आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण पोटाश की उपलब्धता बाधित हो सकती है।
  - **विश्व पर प्रभाव:**
    - **चिप लिथोग्राफी** में उपयोग किए जाने वाले **नियॉन (neon) की वैश्विक आपूर्ति का लगभग 90%** रूस और यूक्रेन से आता है।
    - **एयरोस्पेस और आयुध (armament) उद्योगों** में उपयोग किए जाने वाले टाइटेनियम की वैश्विक आपूर्ति का 30% हिस्सा रूस और यूक्रेन से आता है।
- **हालिया घटनाक्रमों का संभावित भू–राजनीतिक प्रभाव:**
  - पश्चिमी देश एकजुट होंगे और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) पुनः सक्रिय हो जाएगा।
- 1950 के दशक की शीत युद्ध जैसी स्थिति फिर से पैदा हो सकती है। इसमें एक तरफ रूस के नेतृत्व वाला **ईस्टर्न ब्लॉक** होगा, तो दूसरी तरफ पश्चिमी देश और उनके सहयोगी शामिल होंगे।

- **बैंक रन:** यह स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब व्यापक संख्या में जमाकर्ता, वित्तीय संस्थान के दिवालिया हो जाने की आशंका में एक–साथ बैंकों से अपना पैसा निकालने लगते हैं।

भारत, दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया ने ई–कॉमर्स, निवेश तथा MSMEs के मुद्दों पर विश्व व्यापार संगठन (WTO) में जारी वार्ता का विरोध किया है

- भारत, दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया ने संयुक्त रूप से **विश्व व्यापार संगठन** में ई–कॉमर्स, निवेश सुविधा आदि मुद्दों पर **बहुपक्षीय वार्ता का विरोध** किया है।
- इस बहुपक्षीय वार्ता को **"संयुक्त वक्तव्य पहल"** (Joint Statement Initiative: JSI) भी कहा जा रहा है। इस वार्ता के समर्थक WTO के **12वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (इस साल जून में संभावित)** में किसी ठोस परिणाम की आशा व्यक्त कर रहे हैं।
  - JSI को WTO के सदस्यों के एक समूह द्वारा शुरू किया गया है। इसे एक **बहुपक्षीय वार्ता उपकरण** के रूप में परिभाषित किया गया है। ज्ञातव्य है कि WTO में सभी प्रमुख निर्णय मोटे तौर पर **सर्वसम्मति** से लिए जाते हैं। हालांकि, **JSI के तहत निर्णय लेने के लिए सर्वसम्मति के नियमों का पालन किए बिना बहुपक्षीय वार्ता पर बल** दिया गया है।
- भारत ने JSI **वार्ताओं का हिस्सा बनने से मना कर दिया है।** भारत का मानना है कि सदस्यों को पहले खाद्य सब्सिडी से जुड़े मुद्दे का स्थायी समाधान निकलना चाहिए। भारत ने यह भी कहा है कि WTO के सदस्यों को केवल इसके दायरे में रहकर ही मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।
  - WTO के सभी सदस्यों को इस **बहुपक्षीय संस्था के मूलभूत नियमों का पालन** करने की आवश्यकता है, जैसा कि मारकेश समझौते में निहित है।
  - **मारकेश समझौते ने टोक्यो दौर** के बाद बहुपक्षीय नियमों के टूटने पर चिंताओं को उजागर किया है। यह समझौता एक **एकीकृत, अधिक व्यवहार्य और टिकाऊ बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली** विकसित करने के पक्ष में था।
  - **मारकेश समझौते** के बाद विश्व व्यापार संगठन की स्थापना 1 जनवरी, 1995 को की गई थी।
    - वर्ष 1979 में **जनरल अग्रीमेंट ऑन टैरिफ एंड ट्रेड** (GATT) की टोक्यो दौर की वार्ता ने **बहुपक्षीय संहिताओं** को जन्म दिया था।

IPCC ने अपनी छठी आकलन रिपोर्ट (Assessment Report) का दूसरा भाग जारी किया। इस रिपोर्ट का शीर्षक है– "जलवायु परिवर्तन 2022: प्रभाव, अनुकूलन और सुभेद्यता" (Climate Change 2022: Impacts, Adaptation and Vulnerability)

- यह रिपोर्ट **जलवायु परिवर्तन पर अंतर–सरकारी पैनल** (Inter-Governmental Panel on Climate Change: IPCC) **द्वारा** जारी की गई है। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन करने संबंधी प्रकृति और मानव समाज की सुभेद्यताओं, क्षमताओं और सीमाओं की समीक्षा की गई है।
  - IPCC, **संयुक्त राष्ट्र संघ का एक निकाय** है।
  - इसकी स्थापना **वर्ष 1988 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम** (UNEP) **और विश्व मौसम विज्ञान संगठन** (WMO) द्वारा की गयी थी।

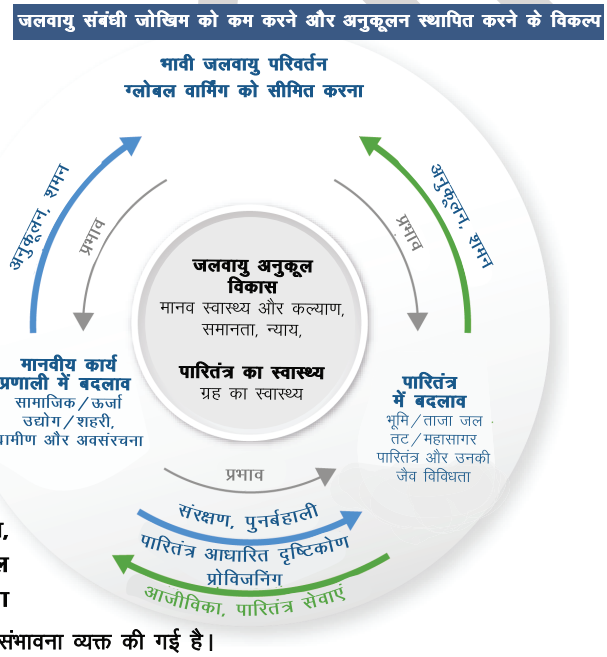

- **इस रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:**
  - जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव पहले के अनुमानों की तुलना में **कहीं अधिक व्यापक, नियमित और बहुत अधिक विनाशकारी** हैं।
  - **भारत सहित दक्षिण एशिया, सबसे सुभेद्य क्षेत्रों में शामिल** है। साथ ही, वर्ष 2050 तक **गंगा बेसिन** में गंभीर जल संकट की संभावना व्यक्त की गई है।
  - जलवायु संकट के कारण पहले ही कुछ अपरिवर्तनीय बदलाव हो चुके हैं। इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:
    - स्थलों और महासागरों में जीवों की बड़े पैमाने पर मृत्यु की घटनाएं;
    - मानवजनित जलवायु परिवर्तन के कारण किसी प्रजाति के विलोपन (extinction) का पहला मामला, तथा
    - अत्यधिक गर्मी के कारण मृत्यु और रोगों का बढ़ता प्रकोप।
  - **विश्व की कम से कम आधी आबादी** जलवायु संकट के प्रति सुभेद्य क्षेत्रों में रहती है।
  - जलवायु संकट ने लोगों के **शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित** किया है।
  - वैश्विक स्तर पर **डायरिया जैसे रोग** को नियंत्रित कर लिया गया था। हालांकि, उच्चतर तापमान, अत्यधिक वर्षा और बाढ़ की बढ़ती घटनाओं ने **डायरिया जैसी बीमारियों के प्रकोप को फिर से बढ़ा दिया है।**
  - इस रिपोर्ट में **पारितंत्र–आधारित अनुकूलन** (ecosystem-based adaptation) **और प्रकृति–आधारित दृष्टिकोण** (Nature-based approaches) को अपनाने का सुझाव दिया गया है। इसमें शामिल हैं– **हरित अवसंरचना** जैसे विकल्पों को अपनाना, तथा **अनुकूलन और शमन** (adaptation and mitigation) संबंधी प्रयासों में तालमेल स्थापित करना।

चीता एक्शन प्लान: वर्ष 2022 में भारत में चीता लाने के लिए कार्ययोजना

- हाल ही में, एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल, **"वर्ल्ड्स चीता कैपिटल"** के रूप में विख्यात **नामीबिया** के दौरे पर गया।
- **भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नामीबिया के चीतों को नामीबिया का सद्भावना राजदूत नियुक्त करने की योजना** तैयार की जा रही है।
- **इससे जुड़े घटनाक्रमों पर एक नज़र:**
  - उच्चतम न्यायालय ने **प्रायोगिक आधार पर नामीबिया से अफ्रीकी चीतों को भारतीय पर्यावास में लाने (बसाने) के प्रस्ताव पर वर्ष 2013 में रोक** लगा दी थी। इस रोक को उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2020 (सात वर्ष बाद) में हटा दिया।
  - उच्चतम न्यायालय ने यह रोक वर्ष 2013 में **कुनो–पालपुर अभयारण्य में ही शेरों को बसाने की योजना और चीतों के लिए आहार (शिकार) संबंधी कमी** के संदेह के कारण लगाई गई थी।
  - इसके अलावा, **"भारत में चीते को पुनः बसाने की कार्ययोजना"** भी आरंभ की गई थी। इसके तहत पांच वर्षों में भारत में 50 चीतों को लाने की योजना बनाई गयी थी।
- **चीतों को पुनः बसाने के बारे में:**
  - एशियाई चीतों (IUCN **स्थितिः क्रिटीकली इंडेंजर्ड**) की तुलना में **अफ्रीकी चीतों** (IUCN **स्थितिः वल्नरेबल या सुभेद्य**) को भारत में पुनः बसाना बहुत आसान है। इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि एशियाई चीते बहुत कम संख्या में केवल ईरान में ही पाए जाते हैं।
  - चीता शुष्क वनों, झाड़ीदार वनों और सवाना की एक **कीस्टोन प्रजाति** है।
  - अत्यधिक शिकार करने और पर्यावास की क्षति के कारण **वर्ष 1952 में चीता को भारत में विलुप्त** (extinct) **घोषित** कर दिया गया था।
  - चीता **विश्व में सबसे तेज दौड़ने वाला स्थलीय स्तनपायी** है।
  - यह **वन्य जीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय** (CITES) के **परिशिष्ट 1** (Appendix 1) में सूचीबद्ध है।

अन्य सुर्खियाँ

प्रधान मंत्री गति शक्ति – मल्टी–मोडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान

- हाल ही में, प्रधान मंत्री ने बजट के बाद "गति शक्ति" के विजन पर आयोजित वेबिनार को संबोधित किया।
- यह बुनियादी ढांचा कनेक्टिविटी परियोजनाओं को अमल में लाने और समन्वित कार्यान्वयन के लिए निर्मित किया गया एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इसके तहत **रेलवे और सड़क मार्ग सहित 16 मंत्रालयों** को एक साथ लाया जाएगा।
  - प्रधान मंत्री गति शक्ति के तहत भारतमाला, सागरमाला, अंतर्देशीय जलमार्ग, ड्राई पोर्ट/स्थलीय बंदरगाह, उड़ान आदि जैसी **विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों की बुनियादी ढांचा योजनाएं शामिल होंगी।**
  - यह 6 स्तंभों पर आधारित है: **व्यापकता** (Comprehensiveness), **प्राथमिकता** (Prioritization), **अनुकूलन** (Optimization), **समन्वय** (Synchronization), **विश्लेषणात्मक** (Analytical) **और गतिशील** (Dynamic)।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (International Atomic Energy Agency: IAEA)

- IAEA ने यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा करने के लिए एक आपातकालीन बैठक बुलाई है। यह बैठक यूक्रेन में सक्रिय **चार परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और परमाणु अपशिष्ट के भंडार** के संबंध में बुलाई गई है।
- IAEA के बारे में:
  - इसकी स्थापना वर्ष 1957 में **"एटम्स फॉर पीस ऑर्गनाइजेशन"** के रूप में की गई थी। यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के तहत एक स्वायत्त अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।
  - **उद्देश्य:** यह परमाणु प्रौद्योगिकियों के सावधानीपूर्वक, सुरक्षित और शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्य करता है।
  - **भारत, IAEA का संस्थापक सदस्य है।**

द्विपक्षीय स्वैप व्यवस्था (Bilateral swap arrangements: BSA)

- भारत और जापान ने अपनी द्विपक्षीय स्वैप व्यवस्था (BSA) को नवीनीकृत किया है और इसे बढ़ाकर 75 बिलियन डॉलर की सीमा तक पहुँचा दिया है। इस पर वर्ष 2020 में हस्ताक्षर किए गए थे।
- **द्विपक्षीय स्वैप व्यवस्था के बारे में:**
  - BSA, एक **दोतरफा व्यवस्था है।** इसके तहत दोनों पक्ष डॉलर के बदले में अपनी **स्थानीय मुद्राओं की अदला–बदली** (स्वैप) कर सकते हैं।
  - इसका अर्थ है कि **भारत रुपये के बदले जापान से डॉलर** प्राप्त कर सकता है। इसके विपरीत, **जापान भी येन के बदले में भारत से डॉलर की मांग कर सकता है।**

मरिया (Mriya)

- यूक्रेन पर रूस के हमले के दौरान, रूसी सैनिकों द्वारा **एंटोनोव ए.एन.–225 या 'मरिया'**, को नष्ट कर दिया गया है।
- **मरिया के बारे में:**
  - यह **विश्व का सबसे बड़ा मालवाहक विमान है।** इसे एंटोनोव ए.एन.–225 के नाम से भी जाना जाता है।
  - यह **1980 के दशक के दौरान तत्कालीन सोवियत संघ के अंतर्गत यूक्रेन में डिजाइन** किया गया था। इसका निर्माण संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच अंतरिक्ष के लिए एक तनावपूर्ण प्रतिस्पर्धा के बीच किया गया था।

INS विशाखापत्तनम

- हाल ही में, INS विशाखापत्तनम को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है।
- इसे भारतीय नौसेना के आंतरिक संगठन, **नौसेना डिजाइन निदेशालय** द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है। इसका निर्माण **मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई** द्वारा किया गया है।
  - यह सतह से **सतह पर और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल** जैसे अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर्स से लैस है। इस पर **आधुनिक सर्विलांस रडार** भी लगाया गया है।
  - यह **परमाणु, जैविक** और **रासायनिक** युद्ध जैसी स्थितियों में भी लड़ने के लिए सक्षम है।
- INS विशाखापत्तनम का नाम पूर्वी तट पर आंध्र प्रदेश के ऐतिहासिक शहर, **विशाखापत्तनम** के नाम पर रखा गया है। विशाखापत्तनम को **"सिटी ऑफ डेस्टिनी"** के नाम से भी जाना जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय मानसून परियोजना कार्यालय (International Monsoons Project Office: IMPO) का शुभारंभ

- इसकी स्थापना **भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान** (IITM) में की जाएगी। IITM, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत आता है।
- इसे **विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम** और **विश्व मौसम अनुसंधान कार्यक्रम** के नेतृत्व में आगे बढ़ाया जाएगा।
  - **विश्व मौसम विज्ञान संगठन** द्वारा इन दोनों अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान कार्यक्रमों का समन्वय किया जाता है।
- IMPO की स्थापना से **एकीकृत वैज्ञानिक दृष्टिकोण** का विस्तार होगा। इससे मानसून में मौसमी बदलाव को बेहतर रूप से समझा जा सकेगा। साथ ही, इससे मानसून और चक्रवातों के **पूर्वानुमान संबंधी कौशल में वृद्धि** होगी। इससे **मानसून अनुसंधान** को भी बल मिलेगा।

पेरियार टाइगर रिजर्व (Periyar Tiger Reserve: PTR)

- केरल के पहाड़ी जिले इडुक्की में अत्यधिक चर्चित हवाई पट्टी से **पेरियार टाइगर रिजर्व** (PTR) के वन्यजीवों और पारिस्थितिकी तंत्र के प्रभावित होने की संभावना है।
- **पेरियार टाइगर रिजर्व के बारे में:**
  - **अवस्थिति:** यह प्रायद्वीपीय भारत के पश्चिमी घाट के दक्षिणी भाग में **कार्डमम पहाड़ियों और पंडालम पहाड़ियों** में स्थित है।
  - **नदियाँ:** मुल्लायार, पेरियार, अम्बा और अजुता (Azhuta) नदी।
  - **उच्चतम शिखर:** कोट्टामला (2,016 मीटर)।
  - **वन:** उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन, उष्णकटिबंधीय अर्द्ध–सदाबहार वन, आर्द्र पर्णपाती वन, घास के मैदान और यूकेलिप्टस के बागान।

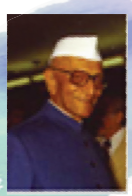

 वॉट्स ऑन द मून चैलेंज का दूसरा चरण (Watts on the Moon Challenge Phase 2)	❍ 'वॉट्स ऑन द मून चैलेंज फेज़ 2' को **नासा** द्वारा आरंभ किया गया है। इसके तहत विद्युत पारेषण और ऊर्जा भंडारण में मौजूद प्रौद्योगिकी अंतराल का समाधान करने के लिए एक प्रोटोटाइप का डिजाइन, निर्माण और प्रदर्शन करना है। इसके लिए **4.5 मिलियन डॉलर तक का पुरस्कार** प्रदान किया जाएगा। ❍ **वाट्स ऑन द मून चैलेंज के प्रथम चरण को 1 सितंबर 2020 को आरंभ किया गया था।** ➢ यह ऊर्जा प्रबंधन, वितरण और भंडारण समाधान के विषय पर केंद्रित था।
 इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं	❍ वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा साझा किए गए एक विवरण के अनुसार, **भारतीय इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात वर्ष 2013–14 में 6,600 मिलियन डॉलर था। यह बढ़कर वर्ष 2021–22 में 12,400 मिलियन डॉलर (88% वृद्धि) हो गया है।** ❍ **सरकार द्वारा किए गए उपाय:** ➢ राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति, 2019 ➢ व्यापक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजना (PLI) ➢ इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अर्धचालकों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना ➢ संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर योजना (EMC 2.0) ➢ IT हार्डवेयर के लिए उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजना (PLI)
   सुर्ख़ियों में रहे व्यक्तित्व	**मोरारजी रणछोड़जी देसाई (29 फरवरी 1896 – 10 अप्रैल 1995)** ❍ मोरारजी रणछोड़जी देसाई, भारत के **पहले गैर–कांग्रेसी प्रधान मंत्री** थे। ❍ वह एक सामाजिक कार्यकर्ता, संस्थाओं के निर्माता और एक महान सुधारक थे। ❍ **योगदान:** ➢ **स्वतंत्रता पूर्व:** ➢➢ वह वर्ष 1930 में **सविनय अवज्ञा आंदोलन** में शामिल हुए। ➢➢ उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। ➢ **स्वतंत्रता के बाद:** ➢➢ वर्ष 1975 में आपातकाल के दौरान उन्हें भी प्रमुख विपक्षी नेताओं के साथ जेल में कैद किया गया था। ➢➢ उन्होंने **भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को सुधारने** के लिए गंभीर प्रयास किए। ❍ **पुरस्कार:** उन्हें पाकिस्तान द्वारा **"निशान–ए–पाकिस्तान"** से और यहां भारत रत्न से सम्मानित किया गया। इस प्रकार वे **दोनों देशों के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार** प्राप्त करने वाले **एकमात्र भारतीय** हैं। ❍ **प्रदर्शित जीवन–मूल्य: महात्मा गांधी के सिद्धांतों के परम–अनुयायी,** सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, आदि। **समर्थ रामदास** ❍ समर्थ रामदास का जन्म सन 1608 ई. में महाराष्ट्र में हुआ था। वह **शिवाजी के साथ निकटता से जुड़े हुए थे। वे संत तुकाराम के समकालीन** थे। ❍ वह **अद्वैतवाद के समर्थक और भक्त** थे। उन्होंने पूरे भारत में हिंदू धर्म के प्रचार–प्रसार की दिशा में कार्य किया। ❍ उन्होंने **श्री राम जय राम जय जय राम** का मंत्र दिया। ❍ उनकी साहित्यिक रचनाओं में **दासबोध, मनाचे श्लोक** (मन को संबोधित पद), **करुणाष्टक** (ईश्वर को समर्पित भजन) शामिल हैं। ❍ **प्रदर्शित जीवन–मूल्य: आध्यात्मिकता, ईश्वर के प्रति समर्पण, आदि।**

VISIONIAS

8468022022, 9019066066
www.visionias.in

/c/VisionIASdelhi /Vision_IAS /visionias_upsc /VisionIAS_UPSC

दिल्ली लखनऊ जयपुर हैदराबाद पुणे अहमदाबाद चड़ीगढ गुवाहटी